राजसमन्द जन विकास संस्थान

वार्षिक रिपोर्ट
2022-23

वार्षिक रिपोर्ट
सत्र 2022-23

संपादन - शकुन्तला पामेचा
मार्गदर्शन - अरविन्द कुमार पामेचा
लेखन एवं डिजायन - भूपेन्द्र सिंह राजपुत
सहयोग - संस्थान समस्त स्टाफ
प्रकाशन - राजसमन्द जन विकास संस्थान

(प्रकाशित सभी तस्वीर परियोजना तथा प्रकाशन से सम्बन्धित अनुमति ली गयी हैं)

राजसमन्द जिला OBC बाहुल्य क्षेत्र होने पर भी यहां पर महिलाओं की शिक्षा का स्तर अच्छा नहीं हैं। जिले में अन्धविश्वास और अन्य कुरुतियों का भार महिलाओं को ढोना पड़ रहा हैं। महिलाओं, किशोर-किशोरियों व बच्चों की सामाजिक,आर्थिक व शेक्षणिक स्थिति को सुधारने व महिलाओं का सशक्तिकरण करने के लिए सन् 2003 में राजसमन्द जन विकास संस्थान की स्थापना की गई।

विकास में महिलाओं की भागीदारी को बढावा देने के लिए तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जनमत बनाकर जिला स्तर पर 1998 से महिला मंच संगठन के रुप में भी कार्य कर रहा हैं।

विजन –

एक ऐसे समाज का निर्माण करना जो विशेषकर महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए समान अवसर, न्याय, समानता और सम्मान सुनिश्चित करें।

मिशन –

समाज में समानता के लिए आवश्यक वातावरण का निर्माण

अनुक्रमणिका

निदेशक की कलम से	5
हमारे मुख्य कार्यक्षेत्र	6
संस्थान एक नजर में	7
जागृति परियोजना	8
आगाज परियोजना	12
स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम	16
नारी अदालत	18
महिला सूरक्षा एवं सलाह केन्द्र	19
महिला मंच संगठन	20
पुस्तकालय	21
मुख्य दिवस का आयोजन	22
सफलता की कहानियां	23
कार्यकारिणी समिति एवं बैठकें	24
साधारण सभा सदस्य सूची	25
संस्थान टीम	26
सुर्खीयां	27
ऑडिट रिपोर्ट	28
हमारे सहयोगी	32

निदेशक की कलम से . . .

प्रिय साथियों,

सर्वप्रथम तो मैं आप सभी को बधाई देना चाहुंगी की संस्थान ने इस वर्ष अपने 20 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। इन 20 वर्षो की यात्रा में संस्थान ने जो सफलता प्राप्त की है, वो आप सभी की मेहनत, मार्गदर्शन व सहयोग का ही परिणाम हैं।

यह बहुत खुशी की बात हैं कि राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा वर्ष 2022-23 के वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन किया जा रहा हैं। प्रतिवेदन में गत वर्ष में किए गये विशेष और उत्साहवर्धक कार्यों का विवरण हैं जो कि हमारे संस्था संगठन की महिलाओं, किशोर एवं किशोरियों द्वारा किए गये हैं।

इस वर्ष राजसमन्द जिले में महिला हिंसा में कमी लाने व न्याय दिलाने हेतु संचालित महिला सूरक्षा एवं सहायता केन्द्र व नारी अदालत द्वारा किये गये प्रयासों का विवरण हैं साथ ही राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले में बाल विवाह में कमी लाने हेतु किशोर-किशोरियों के साथ किये जा रहे कार्यों का विवरण भी देखने को मिलेगा।

इस वर्ष एक तरफ महिला सूरक्षा व सहायता केन्द्र परियोजना का समापन हुआ है उसके साथ ही किशोर-किशोरियों व सरकार के साथ मिलकर बाल संरक्षण समितियों के सशक्तिकरण व बाल विवाह की रोकथाम हेतु राजसमन्द जिले के खमनोर, आमेट व राजसमन्द खण्ड में एक नई परियोजना की शुरुआत भी हुई हैं।

महिलाओं को कानूनी रुप से सशक्त करने के साथ ही सामाजिक व आर्थिक रुप से सशक्त बनाने हेतु महिला स्वयं सहायता कार्यक्रम का विवरण भी प्रस्तुत हैं, जिसमें आप देखेंगे की महिलाओं ने अपनी बचत व बैंक से जुड़ाव कर आजिविका संवर्धन के कार्य भी शुरु किये है जिससे उन्हें आर्थिक रुप से भी संबल मिलेगा।

आशा है यह प्रकाशन आप सभी सहभागीयों को सामाजिक हित का सन्देश प्रदान करेगा।

आपका सहयोग व मार्गदर्शन निरंतर बनाएं रखें।

शुभकामनाओं के साथ. . .

शकुन्तला पामेचा

महिलाओं के सम्मान,
सुरक्षा व आजीविका के लिए

किशोर–किशोरियों की
शिक्षा व सुरक्षा के लिए

बच्चों के सर्वांगीण
विकास के लिए

एक नजर में . .

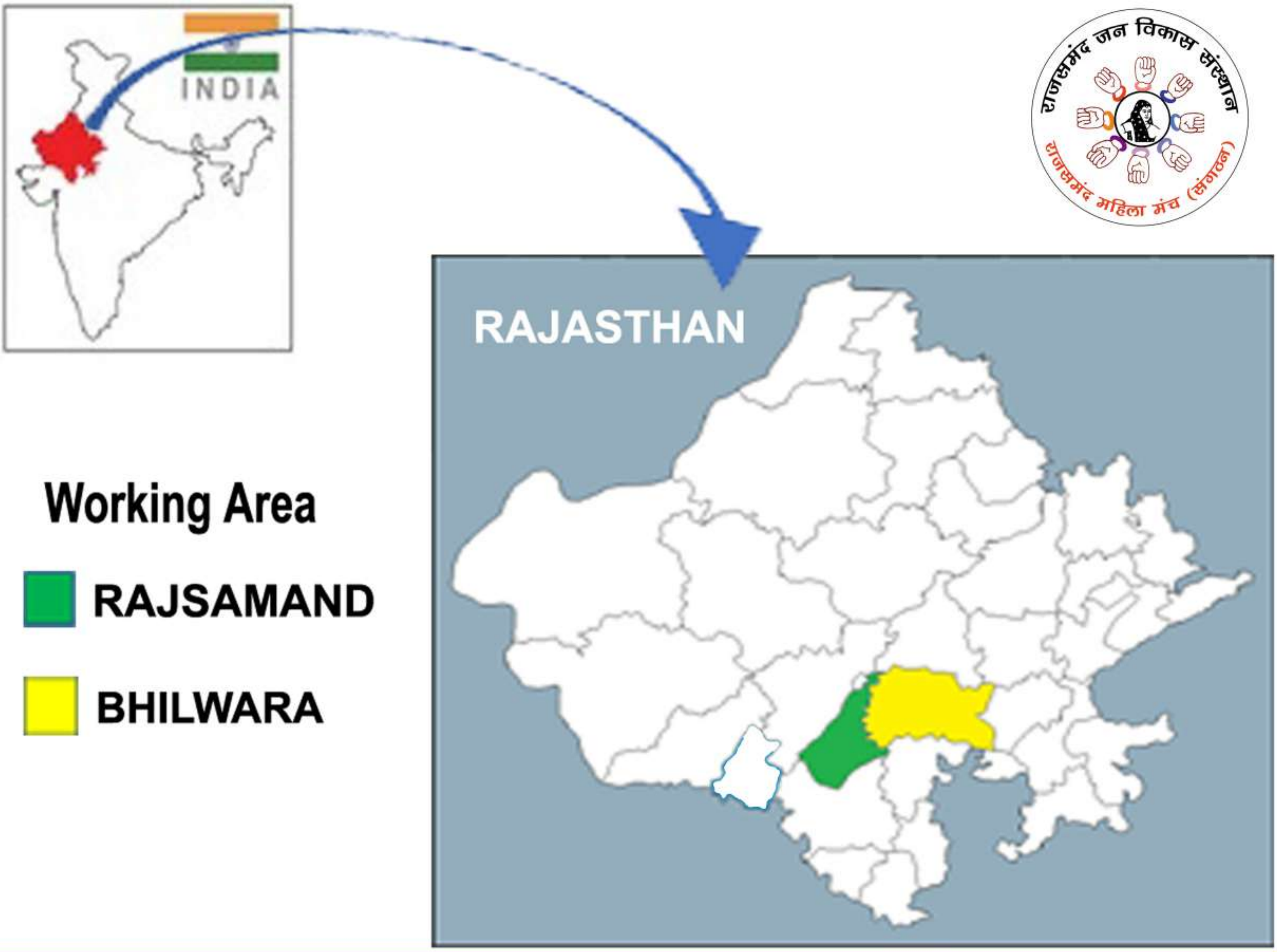

9 खण्ड	**1080** गांव/बस्ती	**01** महिला मंच संगठन
11200 महिलायें	**10230** किशोर-किशोरियां	**23** स्वयं सहायता समूह

जबरन/जल्द/बाल विवाह में कमी लाना

2	5	50	100	25
जिलें	ब्लॉक	गांव	किशोरी व महिला समूह	किशोर समूह

राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले के 05 ब्लॉक के 50 गांवों में जागृति परियोजना के माध्यम से लगभग 5000 किशोर - किशोरियों के साथ प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से संवाद कायम किया हैं।

किशोर-किशोरियों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु बैठक, प्रशिक्षण, कार्यशालाओं के माध्यम से नियमित संवाद किया, साथ ही बाल विवाह में परिवार की भी भूमिका होती हैं इसके लिए महिलाओं के समूह बनाकर उनके व्यवहार में बदलाव लाने का कार्य भी किया हैं। पिता-पुत्री कार्यशाला के माध्यम से बाल विवाह के दुष्प्रभावों पर समझ बढाने तथा किशोरियों की भावनाओं व इच्छा के विपरित विवाह नहीं करने पर भी संवाद कायम किया हैं।

किशोर-किशोरियों के साथ विविध विषयों पर सक्रियता पूर्वक काम करने का संस्थान का लम्बा अनुभव रहा हैं। संस्थान ने युवाओं के विभिन्न मुद्दों पर समझ बनाई हैं और उन्हें सतत रूप से ज्ञान व कौशल प्रदान किया जा रहा हैं।

बाल विवाह, महिला हिंसा, जेंडर, शिक्षा, स्वास्थ्य, माहवारी प्रबन्धन, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य व पोषण आदि विषयों पर संस्थान ने विगत 20 वर्षो में गहरा अनुभव प्राप्त किया है तथा इस सीख को समुदाय के साथ साझा कर बदलाव की मुहिम में अहम भूमिका निभाई हैं।

जागृति उपलब्धियां

क्षमतावर्धन व सशक्तिकरण

7000+
किशोर-किशोरीयां व महिलायें

शिक्षा से जुड़ाव

80+
किशोर-किशोरीयां

सरकारी योजना से जुड़ाव

100+
परिवार

स्कूल के मुद्दों पर हस्तक्षेप

50+
मुद्दों का समाधान

स्कूल एसएमसी में जुड़ाव

90+
किशोरीयां

जागृति परियोजना

राजसमन्द
जन विकास संस्थान

Shot on OnePlus

जागृति परियोजना

Shot on OnePlus

राजसमन्द जन विकास संस्थान
जागृति परियोजना
Shot on OnePlus
By BS_Rajput

किशोर-किशोरियों को सशक्त कर बाल संरक्षण समितियों के माध्यम से बाल विवाह में कमी लाना

जिला - राजसमन्द

ब्लॉक - आमेट, खमनोर व राजसमन्द

गांव - प्रत्येक ब्लॉक की दो-दो ग्राम पंचायत के 6-6 गांव

राजसमन्द जिले के 03 ब्लॉक (खमनोर, आमेट व राजसमन्द) के 18 गांवों में आगाज परियोजना के माध्यम से लगभग 2000 किशोर - किशोरियों के साथ बैठकों, प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से सशक्तिकरण हेतु कार्य किया गया।

खासतौर से बाल विवाह, शिक्षा, स्वास्थ्य व एडवोकेसी पर घ्यान केन्द्रित करते हुए किशोर-किशोरियों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु नियमित संवाद किया, साथ ही बाल विवाह में कमी लाने व रोकथाम हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर बनी हुई बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय करने का कार्य किशोरियों के माध्यम से किया गया।

परियोजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर की बाल संरक्षण समितियों को प्रभावी भूमिका निभाने हेतु ब्लॉक व जिला स्तर पर विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य योजना के अनुरूप बाल विवाह के प्रति जागरूकता के कार्य किये गये।

आगाज उपलब्धियां

3000+
किशोर–किशोरीयां व महिलायें

क्षमतावर्धन व सशक्तिकरण

शिक्षा से जुड़ाव

60+
किशोर–किशोरीयां

200+
सदस्यों का

जीपीएजी सदस्यों का क्षमतावर्द्धन

स्कूल के मुद्दों पर हस्तक्षेप

35+
परिवार

स्कूल एसएमसी में जुड़ाव

40+
मुद्दों का समाधान

सरकारी योजना से जुड़ाव

30+
किशोरीयां

आगाज परियोजना

महिला सशक्तिकरण

23

स्वयं सहायता समूह

243

महिला समूह सदस्य

35

महिलाओं का आजिविका वर्धन

स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम

राजसमन्द जिले के खमनोर, रेलमगरा व राजसमन्द ब्लॉक में हाशिए पर रहने वाले परिवारों, विशेषकर महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर, एक प्रभावी मंच तैयार कर, सामाजिक व आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम की शुरूआत की गयी।

इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं की छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पुर्ति हेतु बचत की समझ बनाई गयी तथा इस बचत के माध्यम से समूह स्तर पर एक दूसरे की मदद की जा रही हैं। इसके साथ ही महिलाओं की आजिविका संवर्धन हेतु बैंक से जुड़ाव कर रोजगार करने हेतु लोन भी दिलवाया गया।

अणी समूह में जुड़वा बाद म्हारी जिन्दगी बदल गी। अबे मूं म्हारी नेनी-नेनी जरुरत रे वास्ते खुद पईसा कमा सकूं हूं। मने कनाई हामे रोज-रोज हाथ नी फैलाना पड़े और जरुरत पड़वा पे मूं म्हारा पावणा री भी मदद करु हुं, वणी बाद वणा रो व्यवहार भी म्हारे वास्ते और ज्यादा हाउ वैगीयो।

महिलाओं ने स्थायी आजिविका, वित्तिय और सार्वजनिक सेवाओं तक बेहतर पहुंच के माध्यम से बकरी पालन, सिलाई कार्य, गुलदस्ते बनाना, किराणे की दूकान, आदि रोजगार के द्वारा पारिवारिक आय में भी बढोतरी की हैं। जिससे परिवार में महिलाओं के प्रति सम्मान बढा हैं तथा महिलायें आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनी हैं।।

3 लाख+
कुल बचत

10 लाख+
कुल ऋण

कुल परिवाद आये	कुल परिवाद का निस्तारण किया
2106	**1661**

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण – 5 (NFHS-5) के अनुसार आज भी समाज में 25 प्रतिशत महिलाओं को किसी न किसी रुप में घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता हैं। जिससे परिवार और समाज के नैतिक मुल्यों का हनन हो रहा हैं। समाज में शांतिपूर्ण व्यवस्था बनाए रखने के लिए और हमारी संस्कृति को जिंदा रखने के लिए, कई सरकारी और गैर सरकारी संस्थान घरेलू हिंसा और पारिवारिक विवादों को रोकने के लिए प्रयासरत हैं। राजसमन्द जन विकास संस्थान सन 2003 से परिवारों को जोड़के रखने के लिए नारी अदालत का सफल संचालन कर रही हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं, बच्चों और पीड़ित व्यक्ति को हिंसा व भयमुक्त परिवार व समाज उपलब्ध करवाना हैं। उन्हें अपने मूल अधिकारों के प्रति जागरुक करना हैं। राजसमन्द जन विकास संस्थान का प्रयास एक पारिवारिक हिंसा मुक्त समाज की स्थापना करना है और इसके लिए दोनों पक्षों को साथ बैठाकर समझाइस व परामर्श करवाया जाता हैं ताकि गलतफहमी दूर हो सकें और प्रेम पूर्ण संबंध स्थापित हो सकें। इस वर्ष नारी अदालत में जो 35 पारिवारिक विवाद आये उनमें से 31 का निस्तारण किया गया। मुख्य रुप से दहेज उत्पीड़न, मारपीट, यौनशोषण, आर्थिक व मानसिक हिंसा, विवाह एवं संतान सम्बन्धित विवाद थे।

कुल परिवाद आये

1852

कुल परिवाद का निस्तारण किया

1837

समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं पर हिंसा की घटना बढ़ती जा रही हैं जो हर तरह से अमानवीय तथा महिलाओं के नैतिक मूल्यों का हनन करने वाली हैं। इसके अस्तित्व में रहते हुए शांतिपूर्ण समाज की कल्पना करना संभव नहीं हैं। कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थान महिनाओं के साथ हो रहे अमानवीय कृत्यों को रोकने के लिए प्रयासरत हैं। इसी कम में संस्थान द्वारा सन 2015 से 2022 तक राजसमन्द जिले में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र का सफल संचालन किया गया जिसका मूल उद्देश्य समाज में महिलाओं को हिंसा व भय मुक्त करना हैं। इस दिशा में संस्थान द्वारा महत्वपूर्ण प्रयास कर महिलाओं को कानूनी विलम्ब से बचाना और दोनों विवादित पक्षों को सही सलाह प्रदान करना हैं। इसके तहत इस वर्ष 211 मामले सामने आये जिसमें से 198 मामलों का निस्तारण किया गया।

राजसमन्द महिला मंच, जिसे महिला मंच के नाम से भी जाना जाता हैं। 14 मई 1998 को राजसमन्द जिले में अस्तित्व में आया । यह एक जन संगठन होने के नाते गरीबों, पीड़ितों, वंचितो व निराश्रितों का एक स्वतंत्र संगठन हैं, जिसकी शुरुआत सबसे पहले आस्था संस्थान के सहयोग से राजसमन्द जिले के एक ब्लॉक से की गई। इससे पहले इस क्षेत्र में महिलाओं के उत्थान के लिए कोई भी संगठन काम नहीं कर रहा था। महिला मंच समाज में मौजूदा सामाजिक और रुढ़िवादी परंपराओं से पीड़ित महिलाओं के सशक्तिकरण का अवसर प्रदान करता हैं। संगठन की रणनीति महिला केन्द्रित रही हैं, यानी पिछले दो दशकों में ग्राम स्तर के विकास के मुद्दों को उठाने के लिए सामुहिकता के साथ – साथ ग्रामीण स्तर पर महिला संगठनों का निर्माण करके महिलाओं को मजबूत करना। इसने सामुदायिक हिंसा, घरेलु हिंसा के खिलाफ उनके संघर्ष में जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर महिलाओं के विभिन्न समूहों का समर्थन किया हैं और अपने दैनिक जीवन में पूर्वाग्रह और बहिष्कार से निपटने वाली एकल महिलाओं के बीच विश्वास पैदा किया हैं।

आज महिला मंच 10000 से अधिक महिलाओं का दावा करता है जो लाभान्वित हुईं और सशक्त बनी हैं। उन महिलाओं ने जीवन का एक नया तरीका सीखा है, अपने अधिकारों के लिए जोर देना शुरु किया है और कई महिलायें आजीविका गतिविधियों में शामिल हो गई हैं।

पिछले 20 वर्षो के दौरान राजसमन्द महिला मंच ग्रामीण महिलाओं को घरेलू हिंसा, खाद्य सुरक्षा, मनरेगा, आरटीआई जैसे अधिकार आधारित कार्य, सरकारी योजनाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए सार्वजनिक सुनवाई, बाल विवाह की रोकथाम और ग्रामीण लड़कियों को समर्थन और प्रेरित करने जैसे मुद्दों पर मदद कर रहा हैं।

1998-2023 | OUR IMPACT

2,30,412
People become aware and empowered from diffrent meetings

26,558
People access the entitlements from government and non-government schemes through RJVS & RMM support

2,172
Surving women of violence counseled with families leading happy life and legal advice provide when required.

1872
Girls enrolled over last three years for further education

1,180
adolescents took written oath for not getting married early

2,806
people supported during disaster from daught

पुस्तकालय

राजसमन्द जन विकास संस्थान और महिला मंच ने दिनांक 10 जनवरी 2022 को पुस्तकालय की शुरुआत कर युवाओं के सपने को साकार करने हेतु सुलभ व शांत परिसर में पढाई योग्य वातावरण प्रदान किया हैं जहां कई युवां अपने भविष्य निर्माण में लगे हुए हैं। पुस्तकालय परिसर में युवाओं को आरामदायक बैठक व्यवस्था के साथ ही वाईफाई कनेक्टिविटी भी प्रदान की जा रही हैं जिसके माध्यम से देश–दुनिया की सामान्य जानकारी से अपडेट रहते हैं।

पुस्तकालय में प्रतिमाह औसत 40 युवा अध्ययन करते हैं। गत वर्ष की बात करें तो 200 युवाओं ने अलग–अलग प्रतियोगी परिक्षाओं में भाग लिया व सफलता प्राप्त कर पुस्तकालय के साथ–साथ राजसमन्द जिले का भी नाम रोशन किया हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संस्थान द्वारा इस बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन भीम ब्लॉक के आवरी माता मन्दिर बाघाना में किया गया। इस बार के कार्यक्रम का विषय ''हिंसा से महिलाओं की आजादी'' रखा गया। कार्यक्रम में राजसमन्द जिले की लगभग 200 महिलाओं, महिला मंच व नारी अदालत के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने हिंसा से पिड़ित महिलाओं के कानूनी अधिकारों, समानतायुक्त वातावरण निर्माण, परिवारों में आपसी समन्वय व सम्मान प्रदान करने पर विचार रखें। हिंसा से पिड़ित महिलाओं ने अपने जीवन के अनुभव सांझा किये। कार्यक्रम में महिलाओं ने नृत्य–गान के साथ ही खेल गतिविधियों में भी बढचढ़कर भाग लिया।

संस्थान स्थापना दिवस

संस्थान ने अपना 20 वां स्थापना दिवस खमनोर ब्लॉक के कियावास गांव में बडे हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में अर्थ संस्थान, उदयपुर के साथियों ने भी भाग लिया तथा माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन पर किशोरियों व महिलाओं को ऋतु कप (माहवारी कप) के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए कहा की यह अन्य विकल्पों की तुलना में आर्थिक, पर्यावरण व स्वास्थ्य की दृष्टी से ज्यादा कारगर हैं। कार्यक्रम के दौरान किशोर, किशोरियों व महिलाओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में राजसमन्द जिले के 500 किशोर, किशोरियों व महिलाओं ने भाग लिया ।

मीना (बदला हुआ नाम) को नहीं पता था की जीवन एक दिन ऐसा भी आयेगा जब वह जिस से प्यार करती है जिसके भरोसे शादी करके नये घर में आयी है वही इन्सान उसके साथ मारपीट करेगा और उसे घर से निकाल देगा। जी हां हम बात कर रहे हैं मीना के साथ हुई ज्यादती की, एक तरफ पुरा देश स्वतंत्रता दिवस बड़े धुमधाम से मना रहा था तो वहीं दूसरी और मीना को उसके पति व सास ने गाली-गलौच तथा मारपीट कर उसकी एक माह की दूधमुहीं बच्ची को छीन लिया व उसे घर से धक्के मारकर बाहर निकाल दिया। बस मीना का इतना सा दोष था की वह रक्षाबन्धन पर अपने पीहर गयी तो दो दिन ज्यादा रुक गई।

कहते है ना की अपने भी मुंह मोड़ लेते है पर ऊपर वाला कभी मुंह नहीं मोड़ता, वह सबको रास्ता दिखाता हैं और किसी न किसी को मदद के लिये भेज देता हैं। मीना को भी ऊपर वाले ने रास्ता दिखाया और वह रोती-बिलखती बदहाल स्थिति में महिला मंच कार्यालय पहुंच गई और अपनी आपबीती सुनाई। मीना की किस्मत भी अच्छी थी जो उस दिन स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की वजह से नारी अदालत की सभी सदस्य कार्यालय में ही उपस्थित थी। नारी अदालत के सदस्यों ने मीना को गले लगाते हुए उसे न्याय दिलाने व उसी वक्त उसके साथ जाने का निर्णय लिया। नारी अदालत की सदस्यों ने मीना के ससुराल जाकर उसकी सास व पति से बातचित की तथा आपसी समझाई कर बच्ची को मीना को दिलवाया जिसकी मां से दूर होने व दूध नहीं मिलने से हालत खराब हो गई थी और स्टाम्प पेपर पर लिखित में समझौता करवाय ा की भविष्य में कभी भी मीना के साथ इस तरह की घटना नहीं हो।

महिला मंच सदस्यों द्वारा कई मर्तबा मीना को फोन करके फॉलोअप लिया तो मीना ने बताया की अब वह सुखदपूर्ण जीवन जी रही हैं साथ ही वह महिला मंच के द्वारा की गई मदद के लिये आभार व्यक्त करती हैं।

बदहाल स्थिति में महिला मंच पहुंची महिला ने लगाई मदद की गुहार

महिला मंच की कार्यकर्ताओं ने मां को लौटाया बच्चा

राजसमन्द (प्रातःकाल संवाददाता)। पंद्रह अगस्त को एक और देश में आजादी का जश्न मनाया जा रहा था वहीं जिला मुख्यालय के समीपवर्ती बाघपुरा क्षेत्र की महिला बदहाल स्थिति में अपने बच्चे की मांग को लेकर महिला मंच कार्यालय पहुंची। महिला ने बताया कि उसकी शादी को तीन वर्ष पर्ण हो गए है। वह इसके बाद जब वह वापस अपने ससुराल गई पति ने उसके साथ मारपीट की और सासु ने उसका आठ माह का बच्चा छीनकर महिला को घर से बाहर निकाल दिया। इस पर महिला रोती हुई वापस अपने पीहर आ गई और अपने साथ हुई घटना के बारे में अपनी मां को बताया। महिला के परिवार में पहले भी ...

हुए मदद की गुआर लगाई। इस पर मंच की नारी अदालत की महिलाओं ने महिला को साथ लेकर उसके ससुराल पहुंची जहां पर कार्यकर्ताओं ने महिला के ससुराल वालों से बात करते हुए समझाईश की। काफी देर समझाईश के बाद मौके पर एकत्रित भीड़ के समक्ष कार्यकर्ताओं ने बच्चे ... ाया।

संस्थान कार्यकारिणी

पुष्पा सिंघवी
अध्यक्ष

शकुन्तला पामेचा
सचिव

ललिता शर्मा
कोषाध्यक्ष

मंजुला सुथार
उपाध्यक्ष

जमना वैष्णव
सदस्य

शारदा खटीक
सदस्य

सकीना बानो
सदस्य

हिराबाई गमेती
सदस्य

नौसर देवी
सदस्य

पारुल चौधरी
सदस्य

अनु वर्मा
सदस्य

कार्यकारिणी की बैठकें

02 जून 2022

14 अक्टूबर 2022

संस्थान साधारण सभा

1. पुष्पा सिंघवी
2. मंजुला सुथार
3. शकुन्तला पामेचा
4. ललिता शर्मा
5. जमना वैष्णव
6. शारदा खटीक
7. सकीना बानो
8. हिराबाई गमेती
9. नोसर देवी
10. पारुल चौधरी
11. अनु वर्मा
12. विणा द्विवेदी
13. विनोद लसोड़
14. विनिता पालीवाल
15. अरविन्द पामेचा
16. सुरभी नेगी
17. चंदन जैन
18. अश्विनि पालीवाल
19. निशा रानी
20. शशीप्रभा

साधारण सभा की बैठक दिनांक
18 मार्च 2023

संस्थान टीम

अरविन्द कुमार पामेचा
सलाहकार

भूपेन्द्र सिंह राजपुत
प्रोजेक्ट ऑफिसर

नीता कुमावत
प्रोजेक्ट ऑफिसर

दिव्या नगारची
लेखाकार

शबाना परवीन
प्रशासनिक प्रबंधक

चन्दा वैष्णव
समन्वयक

1	पूर्णकालिक कर्मचारी	6
2	अंशकालिक कर्मचारी	9
3	स्वैच्छिक कार्यकर्ता	107

पीड़ित परिवार से मिलकर जताई संवेदना, दी सहायता राशि

- महिला मंच सदस्यों ने की रैली व प्रदर्शन में भागीदारी.

राजसमंद। रैली में भागीदारी करते हुए महिला मंच से जुड़ी महिलाएं।

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। उदयपुर जिले के मावली क्षेत्र में गत दिनों मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म एवं हत्या की घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए राजस्थान भील समाज विकास समिति पदाधिकारियों ने बालिका के घर पहुंच कर परिवारजनों को सांत्वना एवं आर्थिक सहायता प्रदान की। समिति प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल, प्रदेश महासचिव गंगाराम भील, जिलाध्यक्ष उदयलाल भील, प्रकाशचन्द्र खमनोर, जिला सचिव रामचन्द्र, भूरीलाल देवगढ़ी, जालोर से कार्यवाहक जिलाध्यक्ष नारायण भील, सहित प्रतिनिधियों का दल लोपड़ा गांव स्थित बालिका के घर पहुंचा। प्रतिनिधियों ने मृतका के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की एवं कहा कि इस विकट घड़ी में सम्पूर्ण आदिवासी भील समाज उनके साथ है। यह भी कहा कि सरकार के समक्ष आरोपियों को कड़ी सजा एवं पीड़ित परिवार को न्याय व सहायता दिलाने की पुरजोर मांग रखी गई है। इधर, घटना के विरोध में समिति की ओर से आयोजित रैली व प्रदर्शन में राजसमन्द महिला मंच संयोजिका शकुंतला पामेचा, पुष्पा आदि के साथ बड़ी संख्या में सदस्य महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी की। इन महिलाओं ने रैली के साथ कलेक्ट्रेट पहुंच कर विरोध प्रदर्शन किया वहीं कलक्टर को ज्ञापन दिया। इस दौरान राजस्थान भील समाज विकास समिति प्रदेश मीडिया प्रभारी गुलाबचंद भील, कार्यकर्ता जगदीशचन्द्र, ललित कुम्भलगढ़, भील सेना के दिनेश भील देलवाड़ा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी साथ थे। इसके अलावा सर्व समाज के कई प्रतिनिधियों ने भी जघन्य हत्याकांड पर आक्रोश जताते हुए रैली में शामिल होकर हत्यारे को फांसी व बालिका के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की पुरजोर मांग की।

बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित आगाज परियोजना के तहत जिले के आमेट, खमनोर, राजसमन्द ब्लॉक की 6 ग्राम पंचायतो के कुल 18 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। परियोजना के तहत किशोरियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा है तथा बाल विवाहों की रोकथाम व कमी लाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर गठित बाल संरक्षण समितियों को सजग व मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जायेगा। परियोजना के तहत ग्राम पंचायत भवन बीकावास में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालिवाल की अध्यक्षता व सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी, बाल संरक्षण अधिकारी नरेश कुमार तंवर के विशिष्ट आतिथ्य में बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने कहा कि आपकी पंचायत में बच्चो के साथ किसी भी तरह का शोषण हो या कोई बाल विवाह हो रहा है तो आप उसे रोकने के लिए मदद को आगे आए। उ सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी ने कहा कि हमें बाल विवाह के प्रति सोच व व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। अरविन्द पामेचा ने कहा कि समिति के माध्यम से हमें समुदाय को जागरूक करते हुए बाल विवाह में कमी लानी है व अपनी पंचायत में होने बाल विवाह को रोकना है। प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने संस्थान का परिचय देते हुए कहा कि संस्थान 2003 से बाल विवाह, महिला हिंसा व विभिन्न मुद्दों पर राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले में कार्य कर रही है। प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत ने बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा, बाल शोषण, असमानता और बाल तस्करी जैसे मुद्दों पर जानकारी प्रदान की व बाल संरक्षण समिति की रूपरेखा, उद्देश्य व समिति के कार्यों पर चर्चा की। साथ ही संस्थान द्वारा किए गए सर्वे को प्रस्तुत किया। नीता कुमावत व भूपेन्द्र सिंह ने बाल विवाह में जिले की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि राजस्थान के 10 अधिक बाल विवाह होने वाले जिलो में राजसमन्द तीसरे स्थान पर है जो की हम सब के लिए विचारणीय विषय है तथा हमे प्रयास करते हुए राजसमन्द जिले को टॉप 10 जिलो से बाहर निकालना है। बैठक के अंतिम सत्र में बाल संरक्षण समिति के द्वारा आगामी बैठक की तारीख तय कि गई व निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में समिति अपने उद्देश्य के अनुसार कार्य योजना का निर्माण कर बाल अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करेगी।

जागृति परियोजना द्वारा किशोरी समूह लीडर प्रशिक्षण सम्पन्न

गंगापुर-भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित जागृति परियोजना के तहत भीलवाड़ा जिले के सहाड़ा ब्लॉक में कुल 10 गाँवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने हेतु प्रयास किये जा रहे है ... परियोजना के तहत आश्रय स्थल गंगापुर (सहाड़ा) में तीन दिवसीय 15 से 17 नवम्बर किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे सहाड़ा ब्लॉक की 23 किशोरी समूह लीडर ने भाग लिया।

नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश चंद्र तेली ने सभी किशोरियों को संदेश देते हुए कहा कि सभी को अच्छी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए और बाल विवाह में कमी लाने हेतु इस समुदाय को और अधिक प्रयास करने चाहिए। प्रशिक्षण में प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने समूह निर्माण क्यों व कैसे, एडवोकेसी किन मुद्दों पर व किस तरह से की जाती है, संस्थान व संगठन का परिचय, लीडर के गुण या लीडर कैसा होना चाहिए, परियोजना के तहत सिर्फ लड़कियों व महिलाओं के साथ ही कार्य की आवश्यकता क्यों ?, किशोरावस्था की समस्याएं व समाधान, आदि पर प्रशिक्षण प्रदान किया व प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत ने बाल विवाह में कमी लाने व रोकथाम हेतु हम किस तरह के प्रयास कर सकते है, समूह लीडर की भूमिका व जिम्मेदारियो, सरकारी योजनाओं, बेसलाइन सर्वे, रिपोर्टिंग कार्य व मासिक प्लान पर प्रशिक्षण प्रदान किया व फील्ड कोऑर्डिनेटर ललिता शर्मा ने सम्पूर्ण प्रशिक्षण का संचालन करने के साथ ही बाल विवाह के कारण व दुष्परिणाम के बारे में विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया।

किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण

रेलमगरा। राजसमंद जन विकास संस्थान द्वारा संचालित परियोजना के तहत ग्राम पंचायत भवन रेलमगरा में तीन दिवसीय किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। रेलमगरा ब्लॉक की 26 किशोरी समूह लीडर ने भाग लिया। प्रशिक्षण में प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने समूह निर्माण क्यों व कैसे, एडवोकेसी किन मुद्दों पर व किस तरह से की जाती है। संस्थान व संगठन का परिचय, लीडर के गुण या लीडर कैसा होना चाहिए। प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत ने बाल विवाह में कमी लाने व रोकथाम हेतु हम किस तरह के प्रयास कर सकते है। समूह लीडर की भूमिका व जिम्मेदारियों, सरकारी योजनाओं, बेसलाइन सर्वे, रिपोर्टिंग कार्य व मासिक प्लान पर प्रशिक्षण प्रदान किया। फील्ड को-ऑर्डिनेटर रीना कुंवर ने सम्पूर्ण प्रशिक्षण का संचालन करने के साथ ही बाल विवाह के कारण व दुष्परिणाम के बारे में विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया।

बाल विवाह की रोकथाम एवं दुष्प्रभाव को लेकर दी जानकारी

राजसमंद। जन विकास संस्थान की ओर से देलवाड़ा में आयोजित कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रम में ग्रामीणों को बाल विवाह को लेकर जानकारी देते संस्थान सदस्य व कार्यकर्ता। फोटो : मुबारिक हुसैन

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। जन विकास संस्थान द्वारा संचालित जागृति परियोजना के तहत जिले के रेलमगरा, आमेट, कुंभलगढ़ व देलवाड़ा तथा भीलवाड़ा जिले के सहाड़ा ब्लॉक में कुल 50 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के प्रयास किए जा रहे है। परियोजना के तहत जनजागरूकता के लिए देलवाड़ा गांव में सरपंच मांगीलाल जैन की अध्यक्षता में कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सरपंच ने ग्रामवासियों से बाल विवाह नहीं करने तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समुदाय को प्रेरित किया। प्रोजेक्ट अधिकारी भूपेन्द्रसिंह राजपूत ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से संस्थान का परिचय तथा परियोजना की जानकारी प्रदान की। साथ ही बाल विवाह पर समुदाय की सोच में बदलाव लाने के लिए एक फिल्म का प्रदर्शन कर बाल विवाह के दुष्परिणाम पर प्रकाश डाला। प्रोजेक्ट अधिकारी नीता कुमावत ने समुदाय में आपसी संवाद करवाया व किसी समुदाय को विवाह कराए जाने के कारणों पर चर्चा की। इसके बाद एक और फिल्म के माध्यम से बाल विवाह करने के प्रभावों एवं सामाजिक तथा आर्थिक के साथ की स्वास्थ्य पर होने वाले नकारात्मक प्रभावों को बताया। इस दौरान ग्रामीणों ने बालिकाओं के जल्द विवाह कराने के कारणों को रखा। कलस्टर समन्वयक उषा रैगर ने चर्चा करते हुए शिक्षा, स्वच्छता व महिला हिंसा पर अपने विचार रखे एवं समुदाय से बाल विवाह नहीं कराए जाने की अपील की। अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिल्किश बानो ने सहयोग किया।

महिला मंच से लगाई मदद की गुहार

महिला मंच की कार्यकर्ताओं ने मां को लौटाया बच्चा

राजसमंद। विश्व गर्भनिरोधक दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। फोटो : मुबारिक हुसैन

विश्व गर्भनिरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

... द्वारा उपयोग सम्बन्धित अनुभव को साझा किया। जिसमें यह देखा गया कि अधिकांश महिलाओं में सफलतापूर्वक गर्भनिरोधक के साथ खून की कमी भी दूर होती है। इस साधन को थोड़े समय से लेकर 5 साल के लम्बे अंतराल तक इस्तेमाल किया जा सकता है। डॉ. सुषमा मागरे ने दम्पतियों को लिए उपलब्ध गर्भनिरोध सामग्री, उनके महत्वपूर्ण पर होने वाले असर की जानकारी दी व प्रतिभागियों से सवालों के जवाब दिए। सीएमएचओ डॉ. गौरी शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध गर्भनिरोधक साधनों व सेवाओं के बारे में बताया। ... ग्रामीण ही नहीं शहरी क्षेत्र में भी गर्भ निरोधक विषय पर खुलकर बातचीत नहीं होती है। उन्होंने आह्वान किया कि स्वास्थ्य के इस अहम मुद्दे पर युवक व युवतियों को सलाह लेने व बातचीत करने में शर्म नहीं करनी चाहिए। अंत में एक खुले सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें समुदाय में काम करने वाली महिला कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। अंत में निदेशिका शकुंतला पामेचा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उड़ान योजना के तहत किया निःशुल्क सेनेटरी पेड का वितरण

राजसमंद। राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना उड़ान के अन्तर्गत एसआरके कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को सेनेटरी नेपकिन का निःशुल्क वितरण किया गया। प्राचार्या शकुंतला शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा ... से महिला नीति आयोग से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम का जन विकास संस्थान निदेशक शकुंतला पामेचा द्वारा आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को महिला अधिकारों व कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राओं तथा सभी महिला संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में आभार प्रदर्शन नोडल अधिकारी डॉ. विभा शर्मा ने किया तथा संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. उषा शर्मा ने किया।

राजसमंद। नारी अदालत में बच्ची पाकर खुश लीला गमेती व परिवारजन।

नारी अदालत की कोशिशों से लीला को मिली बच्ची

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। जिला मुख्यालय पर जन विकास संस्थान ने नारी अदालत का आयोजन किया। जिसमें कई अलग-अलग तरह के केस आये। उनमें से एक केस लीला गमेती का भी था। जिसकी समस्या थी की उसका पति शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था व उसकी डी। [illegible] बच्ची को उससे छीन कर उसको रात में घर से बाहर निकाल दिया। लीला अपने माता-पिता के पास चली गयी परन्तु वह अपनी बच्ची से दूर होने की वजह से दुखी थी तथा उसको महिला मंच की जानकारी थी। वह अपनी बच्ची को पाने के उद्देश्य से अपनी माँ व बड़े पापा के साथ महिला मंच आई व अपनी समस्या महिला मंच की संयोजिका शकुन्तला पामेचा के साथ साझा की। महिला मंच कार्यकर्ता पुष्पा सिंघवी, गीता कुंवर व कैलाश कुंवर को लीला के साथ उसके ससुराल जावद भेजा गया। वहां उन्होंने लीला गमेती के पति उदय लाल से बच्ची के सिलसिले में बात की। पहले तो उदय लाल बच्ची का सही पता बताने से इंकार करता रहा तथा इधर उधर की बातें करता रहा। जब कार्यकर्ताओं ने उसको कानूनी कार्यवाही करने की धमकी दी तब उसने बताया कि बच्ची उसकी बुआ के घर नाथूवास में है। कार्यकर्ता नाथूवास गए व बच्ची को ले कर आये व उसकी माँ लीला गमेती को सुपुर्द किया। अपनी बच्ची को पाकर लीला गमेती बहुत खुश है। उसने महिला मंच का आभार व्यक्त किया।

बाल विवाह रोकथाम का प्रयास

राजसमंद। जन विकास संस्थान कार्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में उपस्थित किशोरियां एवं संस्थान पदाधिकारी।

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। जन विकास संस्थान द्वारा जिले के खमनोर, आमेट व राजसमंद जिले की 6 ग्राम पंचायतों के 18 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। परियोजना के तहत किशोरियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जाएगा तथा सरकार द्वारा गठित समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर वार्षिक प्लान के अनुसार बाल विवाहों में कमी लाने के लिए कार्य किया जाएगा। इसी के तहत जन विकास संस्थान कार्यालय में तीन दिवसीय किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया। जिसमें आमेट, राजसमंद व खमनोर ब्लॉक की 24 किशोरी समूह लीडर ने भाग लिया। संस्था निदेशक शकुंतला पामेचा ने प्रशिक्षण प्रदान किया। संस्था सलाहकार अरविंद पामेचा ने संस्थान व संगठन का परिचय, लीडर के गुण आदि की जानकारी दी। प्रोजेक्ट अधिकारी भूपेन्द्रसिंह ने बाल विवाह के रोकथाम के लिए किए जाने वाले प्रयास, समूह लीडर की भूमिका, जिम्मेदारियों, सरकारी योजनाओं, बेसलाइन सर्वे, रिपोर्टिंग कार्य व मासिक प्लान पर प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रोजेक्ट अधिकारी नीता कुमावत ने बाल विवाह के कारण व दुष्परिणाम, बाल विवाह की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा गठित समितियों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया।

रक्तदान शिविर 23 को

नाथद्वारा। स्व. देवी लाल व्यास (बाबू काका) की 13वीं पुण्यतिथि पर 23 अक्टूम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जावद निवासी आयोजक अधिवक्ता मनोहर व्यास ने बताया कि शिविर 23 अक्टूम्बर प्रातः 9 बजे से पंचायत मुख्यालय जावद में आयोजित किया जाएगा।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

राजसमंद। आमजन की परिवेदनाओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरुवार प्रातः 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में रखी है। यह जानकारी एडीएम रामचरन शर्मा ने दी।

जागृति परियोजना का किशोरी समूह लीडर प्रक्षिक्षण सम्पन्न

गंगापुर-भीलवाड़ा, समाचार जगत ब्यूरो। राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित जागृति परियोजना के तहत भीलवाड़ा जिले के सहाड़ा ब्लॉक में कुल 10 गाँवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है क्रपरियोजना के तहत किशोरीयों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा है साथ ही बाल विवाहों की रोकथाम व कमी लाने हेतु समुदाय स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को सजग व मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जायेगा क्रपरियोजना के तहत आश्रय स्थल गंगापुर (सहाड़ा) में तीन दिवसीय 15 से 17 नवम्बर किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे सहाड़ा ब्लॉक की 23 किशोरी समूह लीडर ने भाग लिया। नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश चंद्र तेली ने सभी किशोरियों को संदेश देते हुए कहा कि सभी को अच्छी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए और बाल विवाह में कमी लाने के लिए इस समुदाय को और अधिक प्रयास करने चाहिए।

राजसमंद दैनिक

छोटी-बड़ी खबरें

रैली बताए बाल विवाह के दुष्परिणाम

नवज्योति/रेलमगरा। जन विकास संस्थान राजसमंद के माध्यम से ग्राम पंचायत सादड़ी के ग्राम लक्ष्मीपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुरा के छात्रों द्वारा गांव में बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई। समाजसेवी मदन सालवी तेजस्वी लक्ष्मीपुरा ने बताया कि संस्थान द्वारा गांव में रैली निकालकर ग्रामीणों को बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराया। संस्थान परियोजना अधिकारी भुपेंद्र कुमार, कार्यकर्ता नीता, ललिता ने ग्रामीणों को बाल विवाह से होने वाले नुकसानो के बारे में विस्तार से बताया। रैली के साथ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिव लाल जाट, अध्यापक हीरालाल, विजय मीणा, मनोज, प्रमिला के साथ ग्रामीण रतनलाल, सोहनलाल, देवी लाल जाट, किशन लाल, लादु लाल सालवी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

महिला मंच का अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिंसा | हिंसा से महिलाओं की आजादी

- राजसमन्द महिला मंच द्वारा राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले में पिछले 25 वर्षों से महिला व बाल अधिकारों के लिये विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से कार्य कर रहा है के गुरुवार को आवरी माता मन्दिर बाघाना।

कुछ बनने की चाह रखने वाली छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। राजसमन्द जन विकास संस्थान की ओर से नानू भाई फाउंडेशन के सहयोग से जिले में सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाली मेधावी छात्राओं के लिए जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है लेकिन आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग चाहती है। जिनके कुछ सपने है, कुछ बनने के कुछ कर गुजर जाने की चाह है, ऐसी छात्राओं के लिए मंगलवार को छात्रवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन राजसमन्द जन विकास संस्थान के महिला विकास केंद्र पर किया गया। जिसमें जिले के राजसमंद, आमेट, खमनोर, नाथद्वारा, रेलमगरा व कुम्भलगढ़ ब्लॉक की 21 छात्राओं का चयन किया गया। दिसम्बर माह से ही समस्त जिले के समस्त सरकारी स्कूलों से 12वीं कक्षा में पढ़ रही मेधावी छात्राओं की जानकारी प्राप्त करके उनसे एक फार्म भरवाया गया तथा उनके 10 वीं व 11 वीं के अंक तालिका एवं गरीब स्थिति के हिसाब से 21 छात्राओं का चयन किया गया। जब तक ये छात्राएं कोई मुकाम हासिल नहीं कर लेती तब तक इनकी शिक्षा के 90 प्रतिशत तक खर्चा संस्थान द्वारा उठाया जायेगा। इन छात्राओं से उनके भविष्य में क्या बनना चाहती हैं उससे सम्बन्धित दस्तावेजों का सत्यापन के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया। जिसमे सभी 21 छात्राओं ने भाग लिया तथा उनके अभिभावकों ने इस में अपना हिस्सा ले कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। साक्षात्कार कार्यक्रम में छात्राओं ने डॉक्टर, इंजीनियर, समाजसेविका, कलेक्टर, स्वयं का व्यवसाय करने की इच्छा जाहिर की गई। आगे इनकी क्षमता और इच्छा शक्ति को ध्यान में रखते हुए इनका चयन किया जायेगा।

बाल विवाह की रोकथाम को लेकर किया जागरूक

बाल विवाह में कमी लाने को लेकर जन विकास संस्थान की बैठक सम्पन्न

राजसमंद। जन विकास संस्थान की ओर से संचालित आगाज परियोजना के तहत जिले के आमेट, खमनोर, राजसमन्द ब्लॉक की 6 ग्राम पंचायतों के कुल 18 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के क्रम में बीकावास ग्राम पंचायत भवन में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल की अध्यक्षता व सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी, बाल संरक्षण अधिकारी नरेश कुमार तंवर के विशिष्ट आतिथ्य में बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

राजसमंद। बाल विवाह की रोकथाम को लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक लेते जन विकास संस्थान के सदस्य। फोटो- मुबारिक हुसैन

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने कहा कि आप ... निदेशक वीणा मेहरचंदानी ने कहा की हमें बाल विवाह के प्रति सोच व व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। अरविन्द पामेचा ने कहा कि समिति के माध्यम से हमें समुदाय को जागरूक करते हुए बाल ... भीलवाड़ा जिले में कार्य कर रही है। नीता कुमावत ने बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा, बाल शोषण, असमानता और बाल तस्करी जैसे मुद्दों पर जानकारी दी। बैठक के अंतिम सत्र में बाल संरक्षण समिति ने आगामी बैठक ...

महिलाओं ने रैली निकालकर बाल विवाह नहीं करने का दिया संदेश

बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित आगाज परियोजना के तहत जिले के आमेट, खमनोर, राजसमन्द ब्लॉक की 6 ग्राम पंचायतो के कुल 18 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। परियोजना के तहत किशोरियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा है तथा बाल विवाहों की रोकथाम व कमी लाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर गठित बाल संरक्षण समितियों को सजग व मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जायेगा। परियोजना के तहत ग्राम पंचायत भवन बीकावास में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालिवाल की अध्यक्षता व सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी, बाल संरक्षण अधिकारी नरेश कुमार तंवर के विशिष्ट आतिथ्य में बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने कहा कि आपकी पंचायत में बच्चो के साथ किसी भी तरह का शोषण हो या कोई बाल विवाह हो रहा है तो आप उसे रोकने के लिए मदद को आगे आए। उ सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी ने कहा कि हमें बाल विवाह के प्रति सोच व व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। अरविन्द पामेचा ने कहा कि समिति के माध्यम से हमें समुदाय को जागरूक करते हुए बाल विवाह में कमी लानी है व अपनी पंचायत में होने बाल विवाह को रोकना है। प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने संस्थान का परिचय देते हुए कहा कि संस्थान 2003 से बाल विवाह, महिला हिंसा व विभिन्न मुद्दों पर राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले में कार्य कर रही है। प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत ने बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा, बाल शोषण, असमानता और बाल तस्करी जैसे मुद्दों पर जानकारी प्रदान की व बाल संरक्षण समिति की रूपरेखा, उद्देश्य व समिति के कार्यों पर चर्चा की। साथ ही संस्थान द्वारा किए गए सर्वे को प्रस्तुत किया। नीता कुमावत व भूपेन्द्र सिंह ने बाल विवाह में जिले की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि राजस्थान के 10 अधिक बाल विवाह होने वाले जिलो में राजसमन्द तीसरे स्थान पर है जो की हम सब के लिए विचारणीय विषय है तथा हमे प्रयास करते हुए राजसमन्द जिले को टॉप 10 जिलो से बाहर निकालना है। बैठक के अंतिम सत्र में बाल संरक्षण समिति के द्वारा आगामी बैठक की तारीख तय कि गई व निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में समिति अपने उद्देश्य के अनुसार कार्य योजना का निर्माण कर बाल अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करेगी।

'नारी शोषण की अवतीर्ण प्रथाएं जरूरत है सामाजिक पुनः निर्माण की' थीम पर संगोष्ठी का आयोजन

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। राजसमन्द जन विकास संस्थान की ओर से सोमवार को वन विलियन राइजिंग के सहयोग से कार्यालय परिसर में नाता प्रथा विषय पर 'नारी शोषण की अवतीर्ण प्रथाएं जरूरत है सामाजिक पुनः निर्माण की' थीम पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संस्थान निदेशक शकुन्तला पामेचा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सलाहकार ... ने हिंसा से पीड़ित महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। अध्यक्षता कर रहे बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों की विस्तार से जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि महिला थाने के एसएसआई कमलेन्द्र सिंह ने हिंसा से पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा व न्याय दिलाने के लिए पुलिस विभाग की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मौजूद समाज के जातिपंच भगवानलाल व दौलतराम ने नाता प्रथा से प्रभावित महिलाओं व बच्चों के भविष्य को देखते हुए सामाजिक व्यवस्थाओं पर जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में नाता प्रथा पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय महाविद्यालय की बालिकाओं ने नाता प्रथा के पक्ष-विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। शशि प्रभा, पारुल चौधरी व अरविन्द पामेचा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। किशोर बालकों की टोली ने लोक नृत्य गवरी का प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान नाता प्रथा से प्रताड़ित महिलाओं ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस तरह से नाता प्रथा महिलाओं व उनके बच्चों के जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाली तथा नृत्य प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में संस्थान अध्यक्ष पुष्पा सिंघवी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान संस्थान से परियोजना अधिकारी भूपेन्द्र सिंह राजपूत, नीता कुमावत, ललिता शर्मा, दिव्या नंगारची, शबाना परवीन, चन्दा वैष्णव, बिल्किश बानो, रीना कुंवर, केशर भील सहित संभागी मौजूद थे। संचालन संस्थान प्रतिनिधि शारदा खटीक ने किया।

राजसमंद। राजसमन्द जन विकास संस्थान की ओर से आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते अतिथि एवं मौजूद संभागी।

नाता प्रथा पर मंथन, समझाए कानूनी अधिकार

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। राजसमन्द जन विकास संस्थान की ओर से सोमवार को वन विलियन राइजिंग के सहयोग से कार्यालय परिसर में नाता प्रथा विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संस्थान निदेशक शकुन्तला पामेचा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि जिला विधिक सेवा ... ने हिंसा से पीड़ित महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों की विस्तार से जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि महिला थाने के एसएसआई कमलेन्द्र सिंह ने ... व न्याय दिलाने के लिए पुलिस विभाग की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मौजूद समाज के जातिपंच भगवानलाल व दौलतराम ने नाता प्रथा से प्रभावित महिलाओं व बच्चों के भविष्य को देखते हुए सामाजिक व्यवस्थाओं पर जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में नाता प्रथा पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन ... की बालिकाओं ने नाता प्रथा के पक्ष-विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। शशि प्रभा, पारुल चौधरी व अरविन्द पामेचा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। किशोर बालकों की टोली ने लोक नृत्य गवरी का प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान नाता प्रथा से प्रताड़ित महिलाओं ने अपने जीवन के अनुभव सांझा करते हुए ... महिलाओं व उनके बच्चों के जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। खुले सत्र में उपस्थित सहभागियों ने अपनी-अपनी समस्याओं व नाता प्रथा को लेकर सवाल किए, मौजूद अतिथियों ने उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर जानकारी दी। वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाली तथा नृत्य ... किया गया। अंत में संस्थान अध्यक्ष पुष्पा सिंघवी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान संस्थान से परियोजना अधिकारी भूपेन्द्र सिंह राजपूत, नीता कुमावत, ललिता शर्मा, दिव्या नंगारची, शबाना परवीन, चन्दा वैष्णव, बिल्किश बानो, रीना कुंवर, ... संभागी मौजूद थे।

भील समाज की बैठक में सामाजिक कुरीतियों को त्यागने की चर्चा में राजसमंद जन विकास संस्थान भी प्रेरणा स्त्रोत बने

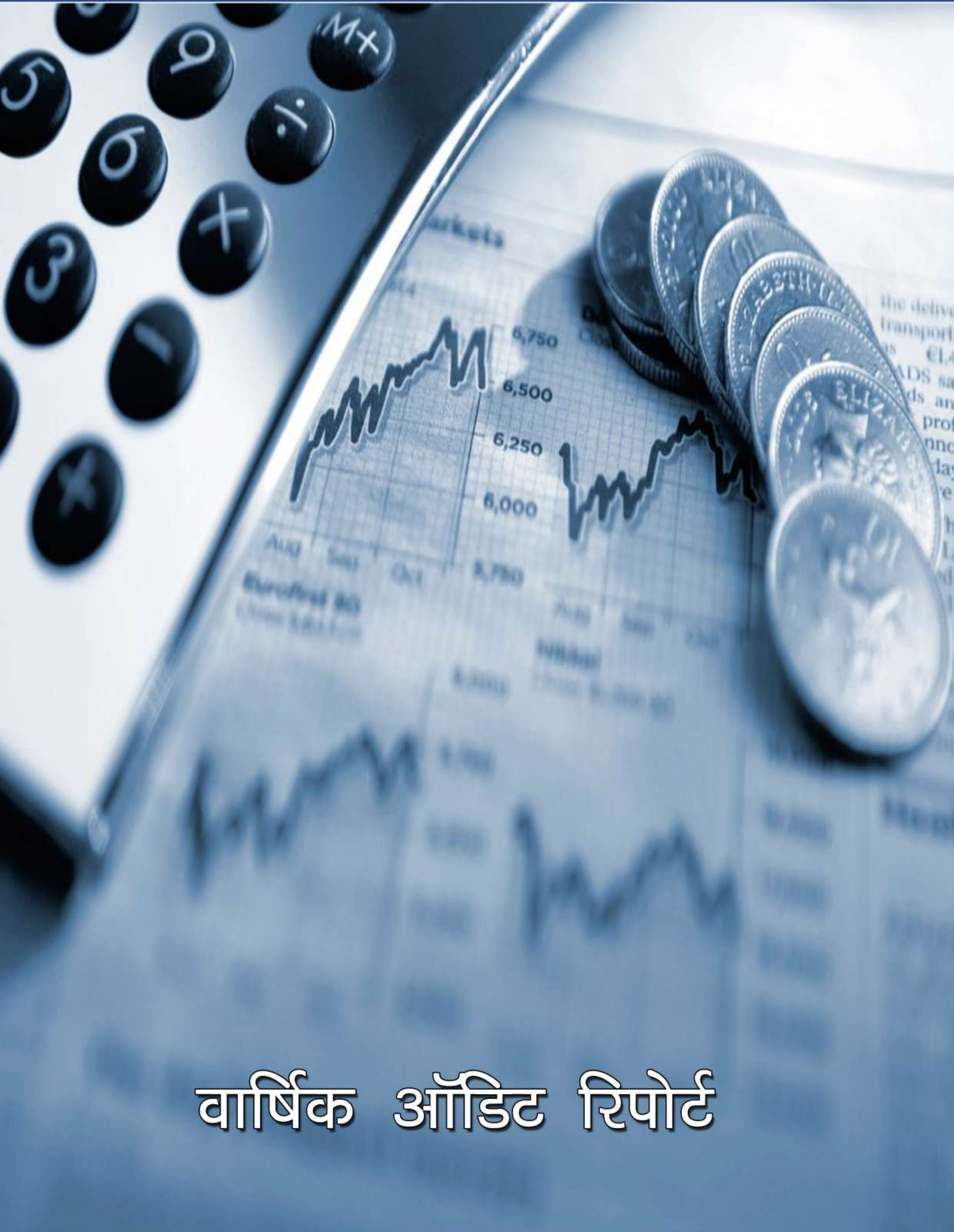

वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle, Nathdwara Road, Kankroli, Rajsamand-313324

FCRA FUND

Balance Sheet as on 31st March, 2022

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS	AMOUNT
OPENING BALANCE			**CLOSING BALANCE**	
ICICI Bank FCRA A/c	1676680		FCRA Bank A/cs	402910
Cash in hand & With Banks	1090			
	1677770			
Add: FCRA Fund received	1918565			
Interest Recd. On FCRA A/c (2021-22)	23681			
Total Funds available :	3620016			
Less: Fund Utilised	3217106	402910		
TOTAL		402910	**TOTAL**	402910

Notes on accounts:
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For :
M/s. Deepika Chandaliya & Associates
Chartered Accountants
(Firm Reg. No. 021402C)

DEEPIKA CHANDALIYA & ASSOCIATES M. No. 424477 KANKROLI CHARTERED ACCOUNTANTS

(Deepika Chandaliya)
Proprietor
Membership No. 424477
Place : Kankroli
Dated : 28th September, 2022

पुष्पा सिंघवी
(Smt. Pushpa Singhavi)
President
अध्यक्ष
राजसमन्द जन विकास संस्था

(Smt. Shakuntala Pamecha)
Secretary
सचिव
राजसमन्द जन विकास संस्थान

UDIN: 22424477AWYHGY1646

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle, Nathdwara Road, Kankroli , Rajsamand-313324

FCRA FUND

Receipt & Payment Account for the year ending 31st March,2022

RECEIPTS		AMOUNT	PAYMENTS		AMOUNT
			Administrative Expenses		
Opening Balance			Audit & Accounting Fee	32500	
			Bank Charges	59	
Cash in hand & at Banks :			Gardening & Housekeeping Expense	36823	
ICICI Bank FCRA A/c. - 667701438612	1676680	1677770	office expense	1200	
Cash & balance with banks	1090		Photocopy & Stationary	7790	
			Travelling Expenses	3718	82090
Grant/Donation Received (2021-22)					
Grant in Aid - FCRA A/c.		1918565	**Programme Expenses**		
Interest recd. On FCRA A/c.		23681	Awareness Meeting	2610	
			Capacity Building Training	7980	
			Festival & other programmes	52454	
			Field work training expense	1369594	
			Professional services	25000	
			Ration Kit Distribution Expenses	344470	
			Telephone Expense	22331	
			Training & workshops	60207	
			Salary & Wages	459663	
			Rent paid	344411	
			Administrative expenses	216606	
			Women Empowerment Activity	209964	3115290
			Electricity Expenses		19726
			Procurement of Fixed Assets		
			Closing Balances		
			Cash in hand & at Banks :		
			FCRA Bank A/cs		402910
TOTAL		3620016	**TOTAL**		3620016

Notes on accounts:
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For :
M/s. Deepika Chandaliya & Associates
Chartered Accountants
(Firm Reg. No. 021402C)

DEEPIKA CHANDALIYA & ASSOCIATES M. No. 424477 KANKROLI CHARTERED ACCOUNTANTS

(Deepika Chandaliya)
Proprietor
Membership No. 424477
Place : Kankroli

पुष्पा सिंघवी
(Smt. Pushpa Singhavi)
President
अध्यक्ष
राजसमन्द जन विकास संस्था

(Smt. Shakuntala Pamecha)
Secretary
सचिव
राजसमन्द जन विकास संस्थान

UDIN: 22424477AWYHGY1646

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle, Nathdwara Road, Kankroli, Rajsamand-313324

CONSOLIDATED

Balance Sheet as on 31st March, 2022

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
GENERAL FUND			**FIXED ASSETS**		
Last Year (2020-21)	12756768		Land	192759	
Add-Surplus/ (Deficit) during the year	755840		Borewell	61791	
(2021-22)	13512608	13512608	Building	10591546	
			Computers	176943	
			Office Equipments	33940	
Membership Fee		4075	Furniture & Fixtures	186397	11243376
Mahila Manch		125000			
Astha Sansthan		350000	**INVESTMENT**		
			UTI MUTUAL FUNDS		300000
CURRENT LIABILITIES			**Closing Stock**		
Audit Fee Payable		9000	Teri Stove		16200
Bhumi Construction Co.		51248			
Other Payables		77312	**Other Current Assets**		
			TDS Receivable		15238
			Others		4338
			Staff Advance		12000
			CASH & BANK BALANCES		
			Cash in hand		13306
			Cash at Banks:		
			HDFC Bank - 50100142714516	333158	
			Punjab National Bank	145729	
			Axis Bank	102504	
			Indusind Bank	449053	
			AU Small finance Bank	1494341	2524785
TOTAL		**14129243**	**TOTAL**		**14129243**

Notes on accounts:
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For :
M/s. Deepika Chandaliya & Associates
Chartered Accountants
(Firm Reg. No. 021402C)

DEEPIKA CHANDALIYA & ASSOCIATES M. No. 424477 KANKROLI CHARTERED ACCOUNTANTS

(Deepika Chandaliya)
Proprietor
Membership No. 424477
Place : Kankroli
Dated : 28th September, 2022

(Smt. Pushpa Singhavi)
President
अध्यक्ष
राजसमन्द जन विकास संस्थान

(Smt. Shakuntala Pamecha)
Secretary
सचिव
राजसमन्द जन विकास संस्थान

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle,Nathdwara Road, Kankroli, Rajsamand-313324

CONSOLIDATED

Income & Expenditure Account for the year ended on 31st March, 2022

EXPENDITURES		AMOUNT	INCOME	AMOUNT
Administrative Expenses			Bank Interest	43407
Audit & Accounting Fee	32500			
Bank Charges	329		Dividend Income	41696
Gardening & Housekeeping Expense	36823			
Insurance expense	8147		Interest on FDR	74663
Legal & Professional Expenses	3800			
Office Expenses	24941		Donation & Others	530948
Photocopy & Stationary	40466			
Repairs to Building/Others	32580		**Grant Received (2021-22)**	
Telephone Expense	12893			
Travelling Expenses	6785	199264	Grant in Aid	4014565
			Govt of Rajasthan (for women empowerment)	489167
Programme Expenses				
Awareness Meeting	19773			
Capacity Building Training	9030			
Conveyance and travelling expense	39542			
Festival & other programmes	98107			
Field work training expense	1985944			
Professional services	25000			
Ration Kit Distribution Expenses	344470			
Salary, Compensation & staff welfare	1274118			
Telecommunication Expense	54931			
Training & workshops	122302			
Website Renovation Charges	29500			
Women Empowerment Activity	216899	4219616		
Electricity Expenses		19726		
Surplus Carried over to Balance Sheet		755840		
TOTAL		**5194446**	**TOTAL**	**5194446**

Notes on accounts:
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For :
M/s. Deepika Chandaliya & Associates
Chartered Accountants
(Firm Reg. No. 021402C)

DEEPIKA CHANDALIYA & ASSOCIATES M. No. 424477 KANKROLI CHARTERED ACCOUNTANTS

(Deepika Chandaliya)
Proprietor
Membership No. 424477
Place : Kankroli
Dated : 28th September, 2022

(Smt. Pushpa Singhavi)
President
अध्यक्ष

(Smt. Shakuntala Pamecha)
Secretary
सचिव

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle, Nathdwara Road, Kankroli , Rajsamand-313324

CONSOLIDATED

Receipt & Payment Account for the year ending 31st March,2022

RECEIPTS		AMOUNT	PAYMENTS		AMOUNT
			Administrative Expenses		
Opening Balance					
Cash in Hand		19678	Audit & Accounting Fee	30000	
Cash at Banks :			Bank Charges	329	
ICICI Bank - 667701438612	1676680		Gardening & Housekeeping Expense	36823	
HDFC Bank - 50100142714516	74809		Insurance expense	8147	
Punjab National Bank	45801		Legal & Professional Expenses	3800	
Axis Bank	11243		Office Expenses	24941	
AU Small finance Bank - 1881223619148832	382470	2191003	Photocopy & Stationary	40466	
			Repairs to Building/Others	32580	
			Telephone Expense	12893	
			Travelling Expenses	6785	196764
Grant Received (2021-22)					
			Programme Expenses		
Grant in Aid		4014565	Awareness Meeting	35373	
			Capacity Building Training	9030	
Donation & Others		530948	Conveyance and travelling expense	39542	
			Festival & other programmes	98107	
Govt of Rajasthan (for women empowerment)		489167	Field work training expense	1985944	
			Professional services	25000	
Interest on Bank balance/FDR (Net of TDS)		122877	Ration Kit Distribution Expenses	344470	
			Salary, Compensation & staff welfare	1522313	
Dividend on MF		41696	Telecommunication Expense	54931	
			Training & workshops	122302	
TDS refund received			Website Renovation Charges	29500	
			Women Empowerment Activity	229518	4496030
			Electricity Expenses		19726
			Procurement of Fixed Assets		
			Computers		10760
			Furniture & Fixtures		136564
			Advance to staff		12000
			Closing Balances		
			Cash in hand		13306
			Cash at Banks		
			HDFC Bank - 50100142714516		333158
			Punjab National Bank		145729
			Axis Bank		102504
			Indusind Bank		449053
			AU Small finance Bank		1494341
TOTAL		7409934	**TOTAL**		7409934

Notes on accounts:
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For :
M/s. Deepika Chandaliya & Associates
Chartered Accountants
(Firm Reg. No. 021402C)

DEEPIKA CHANDALIYA & ASSOCIATES M. No. 424477 KANKROLI CHARTERED ACCOUNTANTS

(Deepika Chandaliya)
Proprietor
Membership No. 424477
Place : Kankroli
Dated : 28th September, 2022

(Smt. Pushpa Singhavi)
President
अध्यक्ष
राजसमन्द जन विकास संस्थान

(Smt. Shakuntala Pamecha)
Secretary
सचिव
राजसमन्द जन विकास संस्थान

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle, Nathdwara Road, Kankroli , Rajsamand-313324

INDIAN FUND

Teri Project Trading Account for the Year Ended 31st March,2022

Particulars (Debit)	AMOUNT	Particulars (Credit)	AMOUNT
To Opening Stock	16200	By Sales Proceeds	0
To Profit on sale of Terry stoves	0	By Closing Stock	16200
TOTAL	16200	**TOTAL**	16200

DEEPIKA CHANDALIYA & ASSOCIATES M. No. 424477 KANKROLI CHARTERED ACCOUNTANTS

अध्यक्ष
राजसमन्द जन विकास संस्थान

सचिव
राजसमन्द जन विकास संस्थान

हमारे सहयोगी

AMERICAN JEWISH WORLD SERVICE

EMpower

RISE UP
for a more just and equitable world

jagorigrameen

महिला अधिकारिता विभाग

GIRLS NOT BRIDES

Azim Premji Foundation

Simavi

actionaid

Follow us on

@rjvs.ngo/ @rjvs.ngo @rjvs_ngo

Contact : 02952-221909, Email : rjvs10@yahoo.in, Website : rjvs.in

राजसमन्द जन विकास संस्थान

महिला मंच (महिला विकास केन्द्र)

सोमनाथ चौराये के पास, नाथद्वारा रोड़,

कांकरोली, राजसमन्द